EEC-12

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य

(जुलाई 2015 और जनवरी 2016 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.ई.सी–12
पाठ्यक्रम शीर्षक : स्वतंत्रता के बाद भारत में आर्थिक विकास

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

ई.ई.सी–12
स्वतंत्रता के बाद भारत में आर्थिक विकास

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2015 और जनवरी 2016 सत्र के लिए)

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.ई.सी–12
सत्रीय कार्य कोड : ई.ई.सी–12/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2015–16

प्रिय छात्र/छात्राओ,

सत्रीय कार्यों के वर्तमान स्वरूप के अनुसार, आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम ई.ई.सी–12 के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। 100 अंकों वाले इस सत्रीय कार्य के तीन भाग हैं। भाग–I में 20–20 अंकों के दो प्रश्न हैं, भाग–II में 12–12 अंकों के चार प्रश्न हैं; और भाग–III में 6–6 अंकों के दो प्रश्न हैं।

प्रस्तुतीकरण :

पूरा किया गया सत्रीय कार्य **अपने अध्ययन केंद्र के संचालक** के पास निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँ :

जुलाई 2015 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 मार्च 2016 तक**
जनवरी 2016 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितंबर 2016 तक**

स्वतंत्रता के बाद भारत में आर्थिक विकास : ई.ई.सी–12

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.ई.सी–12
सत्रीय कार्य कोड : ई.ई.सी–12/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2015–16
पूर्णांक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग–I

क) दीर्घ उत्तर प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए) 2x20=40 अंक

1. 'संरचनात्मक परिवर्तन' से आप क्या समझते हैं? भारतीय अर्थव्यवस्था के मूलभूत क्षेत्रों के भीतर इसकी चर्चा कीजिए।

2. भूमंडलीकरण के संदर्भ में हुए वाद–विवाद की चर्चा कीजिए और इस चर्चा में बताई गई समस्याओं का उल्लेख कीजिए।

भाग–II

ख) मध्यम उत्तर प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए) 2x12=48 अंक

1. 'भारत में नियोजन प्रक्रिया का विकास' पर एक टिप्पणी लिखिए।

2. सामाजिक सुरक्षा क्या है? इसके दृष्टिकोणों के संदर्भ में व्याख्या कीजिए।

3. आधुनिक कृषि में ऋण की भूमिका की चर्चा कीजिए।

4. भारत में लघु क्षेत्र की अशक्तताओं को दूर करने के लिए 'राज्य नीति' की व्याख्या कीजिए।

भाग–III

ग) लघु उत्तर प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए) 2x6=12 अंक

1. प्रबंध में कामगारों की सहभागिता के उद्देश्य

2. भुगतान शेष